

## गणतंत्र दविस परेड में उत्तराखंड की झाँकी को मलिा प्रथम स्थान

### चर्चा में क्यों?

30 जनवरी, 2023 को केंद्र सरकार ने गणतंत्र दविस की परेड (Republic Day Parade 2023) में शामिल राज्यों की झाँकियों के पुरस्कार का ऐलान कयिा, जसिमें उत्तराखंड की झाँकी मानसखंड को देशभर में प्रथम स्थान मलिा ।

### प्रमुख बदिु

- गणतंत्र दविस की परेड में करतव्य पथ पर प्रदर्शति की गई सभी झाँकियों में उत्तराखंड की झाँकी को प्रथम पुरस्कार मलिा । उत्तराखंड ने राज्य के वन्यजीवों और धार्मकि स्थलों की थीम पर झाँकी प्रदर्शति की थी ।
- उत्तराखंड की झाँकी में उत्तराखंड का प्रसदिध कॉरबेट नेशनल पार्क, बारहसगिा, उत्तराखंड का राज्य पशु कस्तूरी मृग, गोरल, देश के राष्ट्रीय पक्षी मोर, उत्तराखंड के प्रसदिध पक्षी घुघुती, तीतर, चकोर, मोनाल के साथ ही उत्तराखंड की प्रसदिध ऐपण कला को प्रदर्शति कयिा गया था ।
- झाँकी में प्रसदिध पौराणकि जागेश्वर धाम मंदरि को दिखायिा गया था । मंदरि के आगे और पीछे घनघोर देवदार के वृक्षों का सीन तैयार कयिा गया था । झाँकी के आगे और पीछे उत्तराखंड का नाम भी ऐपण कला से लिखिा गया था ।
- गढ़वाल की चारधाम यात्रा की भाँति सरकार कुमाऊँ में मंदरि माला मशिन के अंतर्गत पर्यटन बढ़ाने का प्रयास कर रही है । इसी के दृष्टगित प्रसदिध पौराणकि जागेश्वर धाम को दिखायिा गया था ।
- टीम लीडर और संयुक्त नदिशक सूचना के.एस. चौहान के नेतृत्व में झाँकी में उत्तराखंड की कला और संस्कृति को प्रदर्शति करने के लयिे छोलयिा नृत्य करने में पशौरागढ़ के भीम राम के दल के 16 कलाकारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा । इसी के साथ झाँकी के ऊपर बारु सहिे और अनलि सहिे ने योग करते हुए महत्त्वपूरण भूमकिा नभिाई ।
- गणतंत्र दविस की परेड में 23 झाँकियीँ प्रदर्शति की गई । इनमें से 17 राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों और 6 झाँकियीँ मंत्रालयों और वभिागों से थी ।
- वदिति है कि सतिंबर माह में भारत सरकार की ओर से सभी राज्यों, केंद्रशासति प्रदेशों एवं मंत्रालयों से प्रस्ताव मांगे जाते हैं । अक्टूबर तक राज्य सरकारें वषिय का चयन कर प्रस्ताव भारत सरकार को भेजति हैं । उसके बाद भारत सरकार प्रस्तुतीकरण के लयिे आमंत्रति करति हैं ।
- पहली बार की मीटगि में वषिय के आधार चार्ट पेपर में डिजिइन तैयार कर प्रस्तुत करना होता है । आवश्यक संशोधन करते हुए तीन बैठकें डिजिइन नरिमाण के संदर्भ में होती हैं । जनि प्रदेशों के डिजिइन कमेटी को सही नहीं लगते हैं उनको शार्टलसिट कर देति हैं । उसके बाद झाँकी का मॉडल बनाया जाता है । थीम सांग 50 सेकेंड का होता है, जो उस प्रदेश की संस्कृति को प्रदर्शति करता है, जब सभी स्तर से भारत सरकार की वशिषज्ज समति संतुष्ट हो जाती है, तब झाँकी का अंतमि चयन कयिा जाता है ।